बिज़िनेस रिस्पॉन्सबिलिटी एंड सस्टेनेबलिटी रिपोर्टिंग फ्रेमवर्क

प्रिलिम्स के लिये:

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स, बिज़िनेस रिस्पॉन्सबिलिटी एंड सस्टेनेबलिटी रिपोर्टिंग, संयुक्त राष्ट्र बाल कोष, **नेशनल स्टॉक एक्सचेंज, योजना आयोग,** SEBI

मेन्स के लिये:

भारत में कॉर्पोरेट प्रशासन में सुधार के उपाय

स्रोत: पी.आई.बी.

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स** (IICA) ने मुंबई में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज **(NSE)** परिसर में यूनिसेफ और NSE के सहयोग से बिज़िनेस रिस्पॉन्सबिलिटी एंड सस्टेनेबलिटी रिपोर्टिंग (BRSR) पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

बिज़िनेस रिस्पॉन्सबिलिटी एंड सस्टेनेबलिटी रिपोर्टिंग फ्रेमवर्क:

- बिज़िनेस रिस्पॉन्सबिलिटी एंड सस्टेनेबलिटी रिपोर्टिंग **शीर्ष 1000 सूचीबद्ध कंपनियों अथवा व्यवसायों के लिये** पर्यावरण, सामाजिक और कॉर्पोरेट प्रशासन (ESG) मापदंडों पर अपने प्रदर्शन की रिपोर्ट करने व उत्तरदायित्वपूर्ण व्यावसायिक प्रथाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने के लिये एक **अनिवार्य स्पष्टीकरण तंत्र (Mandatory Disclosure Mechanism)** है।
    - वर्ष 2021 में SEBI ने **बिज़िनेस रिस्पॉन्सबिलिटी रिपोर्ट्स** (BRR) को **बिज़िनेस रिस्पॉन्सबिलिटी एंड सस्टेनेबलिटी रिपोर्टिंग** (BRSR) से प्रतिस्थापित कर दिया।
- **नेशनल गाइडलाइन फॉर रिस्पॉन्सबिल बिज़िनेस कंडक्ट** (NGRBC) में कुल नौ सिद्धांत हैं, ये BRSR की बुनियाद के रूप में कार्य करते हैं। ये नौ सिद्धांत इस प्रकार हैं:
    - व्यवसायों को **निष्ठापूर्वक और नैतिक, पारदर्शी व जवाबदेह** तरीके से व्यवसाय को संचालित एवं शासित करना चाहिये।
    - व्यवसायों को **धारणीय व सुरक्षित** वस्तु एवं सेवाएँ प्रदान करनी चाहिये।
    - व्यवसायों को अपनी **मूल्य शृंखला सहित सभी कर्मचारियों के कल्याण को बढ़ावा देना चाहिये एवं उनका सम्मान** करना चाहिये।
    - व्यवसायों को अपने **सभी हितधारकों के हितों का ख्याल रखना चाहिये** और उनके प्रति उत्तरदायी होना चाहिये।
    - व्यवसायों को **मानवाधिकारों का सम्मान करना चाहिये तथा उन्हें बढ़ावा** देना चाहिये।
    - व्यवसायों को **पर्यावरण के प्रति संवेदनशील होना चाहिये और उसकी रक्षा** के प्रयास करने चाहिये।
    - सार्वजनिक और नियामक नीतियों के निर्माण में सहभागिता के दौरान व्यवसायों को ज़िम्मेदार एवं पारदर्शिता के साथ कार्य करना चाहिये।
    - व्यवसायों को **समावेशी और समान विकास को बढ़ावा देना चाहिये**।
    - व्यवसायों को ज़िम्मेदारी के साथ अपने उपभोक्ताओं के साथ जुड़ना चाहिये और उनका सम्मान करना चाहिये।

पर्यावरणीय, सामाजिक और कॉर्पोरेट प्रशासन (ESG):

- यह **दिशानिर्देशों का एक समूह** है जो **कंपनियों के लिये अपने संचालन में बेहतर मानकों का पालन करना अनिवार्य** बनाता है, इसके अंतर्गत **बेहतर प्रशासन, नैतिक आचरण**, **पर्यावरणीय रूप से सतत् प्रथाएँ** और **सामाजिक उत्तरदायित्व** शामिल हैं।

//

- वर्ष 2006 में **यूनाइटेड नेशंस प्रिंसिपल फॉर रिस्पॉन्सिबल इन्वेस्टमेंट (United Nations Principles for Responsible Investment- UN-PRI)** के आरंभ के साथ ESG ढाँचे को आधुनिक समय के व्यवसायों की एक अविभाज्य कड़ी के रूप में मान्यता दी गई है।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स:

- **इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स (IICA) को सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के** तहत 12 सितंबर, 2008 को एक **सोसायटी के रूप में पंजीकृत** किया गया था।
  - IICA की स्थापना के प्रस्ताव को **फरवरी 2007 में योजना आयोग** द्वारा अनुमोदित किया गया था।
- यह एक स्वायत्त संस्थान है और अनुसंधान, शिक्षा तथा वकालत के अवसर प्रदान करने हेतु [कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय] के तत्त्वावधान में कार्य करता है।
  - यह एक थिंक टैंक भी है जो नीति निर्माताओं, नियामकों के साथ-साथ **कॉर्पोरेट मामलों के क्षेत्र** में कार्य करने वाले **अन्य हितधारकों के लिये डेटा और ज्ञान का भंडार** तैयार करता है।

संयुक्त राष्ट्र बाल कोष:

- **संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (UNICEF),** जिसे मूल रूप से **संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय बाल आपातकालीन कोष** के रूप में जाना जाता है, **11 दिसंबर, 1946** में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा बनाया गया था, इसकी स्थापना [द्वितीय विश्व युद्ध] से तबाह हुए देशों में बच्चों एवं माताओं को आपातकालीन भोजन तथा स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिये की गई थी।
- वर्ष 1950 में **UNICEF** के अधिदेश को विकासशील देशों में बच्चों एवं महिलाओं **की दीर्घकालिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये विस्तारित किया गया था।**
  - **वर्ष 1953 में यह संयुक्त राष्ट्र प्रणाली का एक स्थायी हिस्सा बन गया।**

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज:

- **नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) भारत का एक प्रमुख स्टॉक एक्सचेंज बाज़ार** है जो भारत में पूरी तरह से स्वचालित स्क्रीन आधारित ट्रेडिंग प्रदान करता है।
  - NSE को **वर्ष 1992** में शामिल किया गया था। इसे अप्रैल 1993 में [भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI)] द्वारा स्टॉक एक्सचेंज के रूप में मान्यता दी गई थी और **वर्ष 1994** में थोक ऋण बाज़ार के शुभारंभ के साथ परिचालन शुरू किया गया था।

- इसकी अधिक **लोकप्रिय पेशकशों में से एक NIFTY 50 इंडेक्स है,** जो भारतीय इक्विटी बाज़ार में सबसे बड़ी संपत्ति को ट्रैक करता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/business-responsibility-and-sustainability-reporting-framework